संपूर्ण क्रांति

जय प्रकाश नारायण

1. आन्दोलन के नेतृत्व के संबंध में जयप्रकाश नारायण के क्या विचार थे, आन्दोलन का नेतृत्व किस शर्त पर करते हैं?

उत्तर– आन्दोलन के नेतृत्व के संबंध में जयप्रकाश नारायण कहते हैं कि वह सभी लोगों की सलाह लेंगे और सबकी बात सुनेंगे। छात्रों की बात जितनी अधिक से अधिक हो सके सुनेंगे उनसे बहस करेंगे और उनके विचारों को समझने की कोसिस करेंगे वह आगे कहते हैं की मैं आपकी बात स्वीकार करूँगा, जनसंघर्ष समितियों की लेकिन फैसला मेरा होगा। इस फैसले को सभी को माना होगा। जयप्रकाश आन्दोलन का नेतृत्व अपने फैसले पर करते हैं और कहते हैं कि तब तो इस नेतृत्व का कोई मतलब है, तब यह क्रान्ति सफल हो सकती है। और नहीं, तो आपस की बहसों में पता नहीं हम किधर बिखर जाएंगे और क्या नतीजा निकलेगा?

Q2.जयप्रकाश नारायण के छात्र जीवन और अमेरिका प्रवास का परिचय दें। इस अवधि की कौन–कौन सी बातें आपको प्रभावित करती हैं?

उत्तर– जयप्रकाश नारायण की प्रारम्भिक शिक्षा घर पर ही हुई। 1921 ई. में पटना कॉलेज में वे आई–एस. सी. के छात्र बने। इसी समय वे अपनी पढ़ाई छोड़

COHERENT ENGLISH CLASSES DARBHANGA

☺Good News 100% FREE☺

अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर 🏆फ्री Free में कर सकते हैं।

Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

कर गाँधीजी के आह्वान पर असहयोग आन्दोलन से जुड़ गए। पटना में अपने विद्यार्थी जीवन में जयप्रकाश नारायण ने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया। जयप्रकाश नारायण बिहार विद्यापीठ में शामिल हो गये, जिसे युवा प्रतिभाशाली युवाओं को प्रेरित करने के लिए डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद और सुप्रसिद्ध गांधीवादी डॉ॰ अनुग्रह नारायण सिन्हा द्वारा स्थापित किया गया था, जो गांधी जी के एक निकट सहयोगी रहे और बाद में बिहार के पहले उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री रहे। वे 1922 में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गये, जहाँ उन्होंने 1922-1929 के बीच कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय-बरकली, विसकांसन विश्वविद्यालय में समाज-शास्त्र का अध्ययन किया। महँगी पढ़ाई के खर्चों को वहन करने के लिए उन्होंने खेतों, कम्पनियों, रेस्त्रा में काम किया। वे मार्क्स के समाजवाद से प्रभावित हुए। उन्होंने एम॰ ए॰ की डिग्री हासिल की। उनकी माताजी की तबियत ठीक न होने के कारण वे भारत वापस आ गये और पी॰ एच॰ डी॰ पूरी न कर सके।

Q3. जयप्रकाश नारायण कम्युनिस्ट पार्टी में क्यों नहीं शामिल हुए?

उत्तर– जयप्रकाश नारायण कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल इसलिए नहीं हुए क्यूंकि जयप्रकाश नारायण जी ने लेनिन से सीखा था कि जो गुलाम देश हैं, वहाँ के जो कम्युनिस्ट हैं, उनको हरगिज वहाँ की आजादी की लड़ाई से अपने आप को अलग नहीं रखना चाहिए यद्यपि उस लड़ाई का नेतृत्व, जिसको मार्क्सवादी भाषा में 'बुर्जुआ क्लास' कहते हैं, उस क्लास के हाथ में हो; पूंजीपतियों के हाथ में उसका

COHERENT ENGLISH CLASSES DARBHANGA

☺Good News 100% FREE☺

अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर 🏆फ्री Free में कर सकते हैं।

Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

नेतृत्व हो, फिर भी कम्युनिस्टों को अलग नहीं रहना चाहिए । अपने को आइसोलेट नहीं करना चाहिए।

Q4. पाठ के आधार पर प्रसंग स्पष्ट करें

(क) अगर कोई डिमॉक्रेसी का दुश्मन है, तो वे लोग दुश्मन हैं जो जनता के शान्तिमय कार्यक्रमों में बाधा डालते हैं उनकी गिरफ्तारियाँ करते हैं, उन पर लाठी चलाते हैं, गोलियाँ चलाते हैं।

उत्तर– उपयुक्त पंक्तियाँ लोकनायक जयप्रकाश नारायण की भाषण 'सम्पूर्ण क्रान्ति' शीर्षक से ली गई है। इन पंक्तियों में जयप्रकाश नारायण तत्कालीन सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहते हैं।जो जनता के शांतिमय कार्यक्रमों में बाधा डालते हैं, उनकी गिरफ्तारियाँ करते हैं। दरअसल प्रसंग यह था कि एक पुलिस के उच्चाधिकारी ने जयप्रकाश नारायण कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी नाम लेना यहाँ ठीक नहीं होगा तब जयप्रकाश नारायण यह कहते है किया सारा सिर्फ जयप्रकाश के लिए क्यों होता है? उनके नेतृत्व में यह प्रदर्शन और यह सभा होनेवाली है, क्यों लोगों को रोका जाता है, फिर आगे बोलते हुए कहते है कि आप जनता से क्यों घबराते है? नेता जनता का प्रतिनिधि होता है? फिर सरकार को चेताते हुए कहते कि किसने आप को सेशन करने का अधिकार दिया है? आप की हिम्मत कैसे हुए कि आप जनता को पटना आने से रोक सके? यहाँ लोकतंत्र है और लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति को शान्तिपूर्ण सभा करने का

COHERENT ENGLISH CLASSES DARBHANGA

☺Good News 100% FREE☺
अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर 🏆फ्री Free में कर सकते हैं।
Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

अधिकार है। यदि सरकार यह सब करने से रोकती है तो वह सरकार के निकम्मेपन और नीचता का प्रतीक है।

(ख) व्यक्ति से नहीं हमें तो नीतियों से झगड़ा है, सिद्धान्तों से झगड़ा है, कार्यों से झगड़ा है।

(ख) प्रस्तुत वाक्य जयप्रकाश, नारायण के भाषण 'सम्पूर्ण क्रान्ति' से लिया गया है। आन्दोलन के समय जयप्रकाश नारायण के कुछ ऐसे मित्र थे जो चाहते थे कि जेपी और इन्दिरा जी में मेल–मिलाप हो जाए। इसी प्रसंग में जेपी ने कहा है कि उनका किसी व्यक्ति से झगड़ा नहीं है। चाहे वह इन्दिराजी हो या या कोई और उन्हें तो नीतियों से झगड़ा है, सिद्धान्तों से झगड़ा है, कार्यों से झगड़ा है। जो कार्य गलत होंगे जो नीति गलत होगी, जो सिद्धान्त गलत होंगे–चाहे वह कोई भी करे–वे विरोध करेंगे।

Q5. बापू और नेहरू की किस विशेषता का उल्लेख जेपी ने अपने भाषण में किया है?

उत्तर– जेपी ने अपने भाषण में बापू एवं नेहरूजी की विशेषताओं का उल्लेख किया है। जयप्रकाश कहते हैं कि जब हम नौजवान थे तब उस जमाने में यह जुर्रत होती थी हमलोगों की बापू के सामने हम कहते थे हम नहीं मानते हैं बापू यह बात। और बापू में इतनी महानता थी कि वे बुरा नहीं मानते थे। फिर भी बुलाकर हमें प्रेम से समझाना चाहते थे समझते थे। जेपी कहते हैं कि जवाहरलाल मुझे मानते बहुत

COHERENT ENGLISH CLASSES DARBHANGA

☺Good News 100% FREE☺
अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर फ्री Free में कर सकते हैं।
Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

थे। मैं उनका बड़ा आदर और प्रेम करता था परन्तु उनकी कटु आलोचना भी करता था। लेकिन बड़प्पन था कि वे बुरा नही मानते थे। अक्सर वे हमारी आलोचनाओं का बुरा नहीं माना। उनके साथ जो मतभेद था वह परराष्ट्र की नीतियों को लेकर था।

Q6. भ्रष्टाचार की जड़ क्या है? क्या आप जेपी से सहमत हैं? इसे दूर करने के लिए क्या सुझाव देंगे?

उत्तर– हमारी नजर में भ्रष्टाचार की जड़ सरकार की गलत नीतियाँ हैं। इन गलत नीतियों के कारण भूख है, महँगाई है, भ्रष्टाचार है कोई काम जनता का नहीं निकलता है बगैर रिश्वत दिए। सरकारी दफ्तरों में बैंकों में, हर जगह, टिकट लेना है उसमें जहाँ भी हो, रिश्वत के बगैर काम नहीं होता। हर प्रकार के अन्याय के नीचे जनता दब रही है। शिक्षण–संस्थाएँ भ्रष्ट हो रही है। हमारे नौजवानों का भविष्य अंधेरे में पड़ा हुआ है। जीवन उनका नष्ट हो रहा है इस प्रकार चारों ओर भ्रष्टाचार व्याप्त है। इसे दूर करने के लिए समाजवादी तरीके से सरकार ऐसी नीतियाँ बनाएँ जो लोककल्याणकारी हो।

Q7. दलविहीन लोकतंत्र और साम्यवाद में कैसा संबंध है?

उत्तर– दलविहीन लोकतंत्र राजनीति का सब से अच्छा विचार एवं मुख्य राजनीतिक सिद्धान्त है और दलविहीन लोकतंत्र सिद्धांत है ग्राम सभाओं के आधार पर दलविहीन प्रतिनिधित्व की स्थापना की गई दलविहीन लोकतंत्र तो मार्क्सवाद

COHERENT ENGLISH CLASSES DARBHANGA

☺Good News 100% FREE☺

अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर 🏆फ्री Free में कर सकते हैं।

Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

तथा लेनिनवाद के मूल उद्देश्यों में से है। मार्क्सवाद के अनुसार समाज जैसे–जैसे साम्यवाद की ओर बढ़ता जाएगा, वैसे–वैसे राज्य–स्टेट का क्षय होता जाएगा और आखिर में एक स्टेटलेस सोसाइटी कायम होगी।

Q8. संघर्ष समितियों से जयप्रकाश नारायण की क्या अपेक्षाएँ हैं?

उत्तर– संघर्ष समितियों से जयप्रकाश नारायण की निम्नलिखित अपेक्षाएँ हैं

सभी संघर्ष समितियाँ मिलकर चुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा करें अथवा जो उम्मीदवार खड़े किए जाएँ उनमें से किसी को मान्य करें।

चुनावों में इन समितियों द्वारा खड़ा किया गया जो भी उम्मीदवार जीते, उसके भावी कार्यक्रमों पर नजर रखने का काम ये समितियाँ करेंगी।

यदि कोई प्रतिनिधि गलत रास्ता चुनता है तो ये समितियाँ उसको इस्तीफा देने के लिए बाध्य करेंगी।

इन संघर्ष समितियों का काम केवल शासन से संघर्ष करना ही नहीं है बल्कि समाज के हर अन्याय और अनीति के विरुद्ध संघर्ष करना होगा।

इन समितियों का कार्य सभी अफसरों तथा कर्मचारियों में विद्यमान घूसखोरी के विरुद्ध संघर्ष करना भी होगा।

जिन बड़े–बड़े किसानों ने बेनामी या फर्जी बन्दोबस्तियों की हैं उनका विरोध भी ये समितियाँ करेंगी।

COHERENT ENGLISH CLASSES DARBHANGA

Good News 100% FREE

अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर फ्री Free में कर सकते हैं।

Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

गाँवों में तरह–तरह के अन्याय होते हैं, वे समितियाँ उन अन्यायों को भी रोकेंगी।

Q9. जयप्रकाश नारायण के इस भाषण से आप अपना सबसे प्रिय अंश चुनें और बताएं कि वह सबसे अधिक प्रभावी क्यों लगा?

उत्तर– इस भाषण में हमारा सबसे प्रिय अंश निम्नलिखित हैं–

मैं कोई धनी घर का नहीं हूँ। थोड़ी सी खेती और पिताजी नहर विभाग मे जिलादार, बाद में रेवेन्यू असिस्टेंट हुए । नॉन-गजटेड अफसर थे। उनकी हैसियत नहीं थी कि वह मुझे अमेरिका भेजें । तो मैंने सुना था कि अमेरिका में मजदूरी करके लड़के पढ़ सकते हैं । मेरी इच्छा थी कि आगे पढ़ना है मुझे; आंदोलन तो गिराव पर आ गया है; इस बीच अमेरिका से कुछ शिक्षा प्राप्त करके आ जाऊँ। इसीलिए अमेरिका गया-अमेरिका गया । कुछ लोग हैं जो हमारे--पता नहीं कि उन्हें किस नाम से पुकारूँ-मुझे आज वर्षों से गालियाँ देते रहे हैं। कितनी गालियाँ मुझे दी गई हैं । चूँकि अमेरिका में मैंने पढ़ा, इसलिए मैं अमेरिका का दलाल बना हूँ । 'निक्सन को दे दो तार, जयप्रकाश की हो गई हार', ये नारे लगाए।

"मित्रो, अमेरिका के बागानों में मैंने काम किया कारखानों में काम किया –लोहे के कारखानों में। जहाँ जानवर मारे जाते हैं, उन कारखाने में काम किया। जब यूनिवर्सिटी में पढ़ता था, छुट्टियों में काम करके इतना कमा लेता था कि कुछ खाना हम तीन–चार विद्यार्थी मिलकर पकाते थे और सस्ते में हम लोग खा–पी लेते थे। एक कोठरी में कई आदमी मिलकर रह लेते थे रुपया बचा लेते थे, कुछ कपड़े

COHERENT ENGLISH CLASSES DARBHANGA

☺Good News 100% FREE☺
अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर 🏆फ्री Free में कर सकते हैं।
Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

खरीदने, कुछ फीस के लिए। और बाकी हर दिन–रविवार को भी छुट्टी नहीं.... एक घंटा रेस्तरां में, होटल में या तो बर्तन धोया या वेटर का काम किया तो शाम को रात का खाना मिल गया, दिन का खाना मिल गया। किराया कहाँ से मकान का हमको आया?

बराबर दो–तीन लड़के कितने वर्षों तक दो चारपाई नहीं थी कमरे में एक चारपाई पर मैं और कोई न कोई अमेरिकन लड़का रहता था। हम दोनों साथ सोते ते, एक रजाई हमारी होती थी। इस गरीबी में मैं पढ़ा हूँ। इतवार के दिन या कुछ 'ऑड टाइम' में यह जो होटल का काम है–उसको छोड़ करके जूते साफ करने का काम 'शू शाइन पार्लर' में उससे ले करके कमोड साफ करने का काम होटलों में करता था। वहाँ जब बी.ए. पास कर लिया, स्कॉलरशिप मिल गई; तीन महीने के बाद असिस्टेंट हो गया डिपार्टमेंट का 'ट्यूटोरियल क्लास' लेने लगा, तो कुछ आराम से रहा इस बीच में। इन लोगों से पूछिए। मेरा इतिहास ये जानते हैं और जानकर भी मुझे गालियाँ देते हैं।"

Q10. चुनाव सुधार के बारे में जयप्रकाश जी के प्रमुख सुझाव क्या हैं? उन सुझावों से आप कितना सहमत हैं?

उत्तर– चुनाव सुधार के बारे में जयप्रकाश जी के प्रमुख सुझाव निम्नलिखित हैं–

जब विधानसभा का अगला चुनाव हो तो छात्र संघर्ष तथा जन संघर्ष समितियां मिलकर के आम राय से अपना उम्मीदवार खड़ा करें ,

☺Good News 100% FREE☺
अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर 🏆फ्री Free में कर सकते हैं।
Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

जनता और छात्रों की संघर्ष समिति उम्मीदवार के चयन में अपना महत्वपूर्ण रोल निभाए

चुनावों पर होनेवाला खर्च को कम करना चाहिए।

चुनाव पद्धति में आमूल बदलाव होना चाहिए।

गरीब उम्मीदवारों को भी चुनाव में भाग लेने का प्रयास करना चाहिए।

मतदान प्रक्रिया पारदर्शी और स्वतन्त्र होनी चाहिए।

चुनाव के बाद अपने प्रतिनिधियों के आचरण पर यथासंभव अंकुश कर सके

प्रश्न 11. दिनकरजी का निधन कहाँ और किन परिस्थितियों में हुआ?

उत्तर : जिस दिन दिनकर जी जयप्रकाश नारायण के घर से विदा हुए | उसी रात को रामनाथजी गोयनका (इंडियन एक्सप्रेस के मालिक) के घर पर मेहमान थे | आधी रात को दिनकर जी को दिल का दौरा पड़ा। तीन मिनट के अंदर गयारामनाथ गोयंका ने दिनकर जी को अस्पताल पहुंचाया जहाँ दवा – दारू का पूरा इंतजाम था लेकिन दिनकर जी बच नहीं सके और स्वर्गलोक सिद्धार गए उनके मृत्यु की तिथि 24 अप्रैल 1974 ईस्वी थी

COHERENT ... ASSES DARBHANGA

☺Good News 100% FREE☺

अब आप बिहार बोर्ड के 10th, 11th, 12th तथा Spoken इंग्लिश की कम्प्लीट तैयारी Coherent English Classes की App पर 🏆फ्री Free में कर सकते हैं।

Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram